राष्ट्रीय परीक्षण सेवा-भारत
NATIONAL TESTING SERVICE-INDIA

कार्यक्रम प्रतिवेदन का प्रारूप
PROGRAMME REPORT PROFORMA

1. कार्यक्रमकाशीर्षक Title of the Programme	Three-Day Training-cum-Workshop on "Testing, Evaluation and Question Item Writing in the light of National Education Policy (NEP) 2020" in Hindi
2. दिनांक/Date	20 to 22 May, 2026
3. स्थान/Place	Smt. Seethalakshmi & Shri Ramkrishna Hattwar Auditorium, DIET Campus, Udupi
4. प्रणाली/Mode	Offline mode
5. प्रतिभागियोंकीसंख्या Number of the participants a. विद्यालय / महाविद्यालय / विश्वविद्यालयोंकेअध्यापक School / College / Univ. Teachers b. शोधार्थी/Research Scholars c.परास्नातकछात्र/ Postgraduate Students कुल/Total	39Teachers All 39 Teachers from Udupi and Dakshina Kannada regions.
6. बाह्य विशेषज्ञों के नाम तथा पदनाम Name and Designation of subject experts	External Experts: • Dr. Madhavi S. Bhandari, Rtd. Principal Poorna Pragna Evening College • Dr. O. R. Prakash,Reader, Government Teacher Education College, Mangaluru; • Dr. Ashok Kamath Principal and Ex-Officio Deputy Director (Development), DIET Udupi; Faculties of NTS-I: • Dr. Biresh Kumar (SRP-Academic), • Dr. R. Shakunthala (SRP-Academic), • Shri Shriganesh Devaru Bhat (RP-Academic), • Shri Kashyap N. (RP-Technical). • Dr. Shridevi (JRP-Academic), • Dr. Murali Mohana N., (Officer-General) • Smt. Hayath Afza (Asst. Gr. I)
7. कार्यक्रम के दौरान चर्चित	□ Basic Concepts of Testing and Evaluation

विषय Topics covered during the discussion	□ Taxonomy of Educational Objectives □ Effective Communication Skills for Teachers □ National Education Policy (NEP) 2020 and NCF 2023 □ Introduction to Language Skills (LSRW) □ Integrating AI in Language Teaching □ How to Teach Language and Literature in a Classroom □ Item Types: Subjective and Objective □ Introduction to Question Input System □ Item Writing Practice
8. क्या कार्यक्रम से एनईपी-2020के उद्देश्यों को पूरा करने में सहायता मिली? विवरण दें। Did the programme assist in fulfilling the objectives of NEP-2020? Provide Details.	This training-cum-workshop aligns with the vision articulated in Chapter 5.15 of the National Education Policy (NEP) 2020, which emphasises that "teachers will be given continuous opportunities for self-improvement and to learn the latest innovations and advances in their professions." The programme was organised with the objective of fostering motivated, empowered, and professionally competent faculty in accordance with the transformative goals of NEP 2020.
9. निर्मित प्रश्नों कीसंख्या No. of Question Item prepared	A total of 1147 question items were entered online into the NTS-I database
10. क्या प्रतिभागियों को प्रशिक्षण सामग्री प्रदान की गई? विवरण दें। Was the training material provided to the participants? Provide Details.	Yes, the PPTs on the following topics have been shared with the participant teacher educators through their principal. □ Basic Concepts of Testing and Evaluation □ Taxonomy of Educational Objectives □ Effective Communication Skills for Teachers □ National Education Policy (NEP) 2020 and NCF 2023 □ Introduction to Language Skills (LSRW) □ Integrating AI in Language Teaching □ How to Teach Language and Literature in a Classroom
11. अनुदेश का माध्यम Medium of Instruction	Hindi and English
12. क्या कार्यक्रम की ब्रीफिंग मीडिया में प्रसारित की गई थी? विवरण दें। Was the briefing of the programme circulated in media? Provide details.	The programme gained significant academic outreach through its publication on the official platforms of National Testing Service-India and Central Institute of Indian Languages. Photographs and highlights from the academic and valedictory sessions were widely disseminated across their official websites and social media handles, thereby enhancing institutional visibility and digital engagement.
कार्यक्रम का सारांश Summary of the programme in Hindi:	

मैसूर स्थित केंद्रीय भारतीय भाष संस्थान की एक योजना, राष्ट्रीय परीक्षण सेवा-भारत (एन.टी.एस.-आई.) द्वारा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), उडुपी के सहयोग से 20 से 22 मई 2026 तक "राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 के आलोक में परीक्षण, मूल्यांकन एवं प्रश्न-पद लेखन" विषय पर हिन्दी में तीन दिवसीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला का आयोजन किया गया । यह कार्यक्रम डायट परिसर, उडुपी स्थित श्रीमती सीतालक्ष्मी एवं श्री रामकृष्ण हट्टवार सभा भवन में संपन्न हुआ।

कार्यशाला का प्रारम्भ प्रतिभागियों के पंजीकरण से हुआ। इस कार्यक्रम में उडुपी एवं दक्षिण कन्नड़ क्षेत्र के कुल 39 शिक्षकों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने स्वेच्छा से प्रशिक्षणार्थी के रूप में कार्यशाला में अपना नामांकन कराया।

कार्यशाला का उद्घाटन सत्र 20 मई 2026 को प्रातः 10:00 बजे आयोजित किया गया, जिसका सफल संचालन डायट उडुपी के व्याख्याता डॉ. किशोर शेट्टी ने किया। डायट उडुपी के जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी श्री योगनरसिंहस्वामी के.एम. ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया।

कार्यशाला का औपचारिक उद्घाटन भारतीय भाष संस्थान, मैसूर के प्रोफेसर-सह-उपनिदेशक प्रो. पी.आर. धर्मेश फर्नांडीज़ द्वारा पौधों को जल अर्पित कर किया गया। इसके उपरांत एन.टी.एस.-आई., सी.आई.आई.एल. मैसूर की वरिष्ठ संसाधन व्यक्ति डॉ. आर. शकुंतला ने कार्यक्रम के शैक्षिक महत्व पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि का संबोधन शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय, मंगलूरु के रीडर डॉ. ओ.आर. प्रकाश द्वारा दिया गया, जिन्होंने कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में भी अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता डायट उडुपी के प्राचार्य एवं पदेन उपनिदेशक (विकास) डॉ. अशोक कामत ने की। उद्घाटन सत्र का समापन डायट उडुपी के व्याख्याता डॉ. गणेश कृष्ण भागवत द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के शैक्षिक सत्रों का संचालन एन.टी.एस.-आई. के प्रतिष्ठित विद्वानों एवं स्थानीय संसाधन व्यक्तित्वों — डॉ. ओ.आर. प्रकाश, डॉ. माधवी एस. भंडारी, डॉ. अशोक कामत, डॉ. बीरेश कुमार, डॉ. आर. शकुंतला, श्रीगणेश देवरु भट्ट, डॉ. श्रीदेवी तथा डॉ. मुरली मोहन एन. — द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त, एन.टी.एस.-आई. के तकनीकी संसाधन व्यक्तित्व श्री कश्यप एन. ने कार्यशाला की गतिविधियों के अंतर्गत डाटा संकलन एवं प्रश्न-पद लेखन के संबंध में ऑनलाइन मार्गदर्शन एवं तकनीकी सहयोग प्रदान किया। विशेषज्ञों ने परीक्षण, मूल्यांकन, भाषा शिक्षाशास्त्र तथा प्रश्न-पद लेखन के विभिन्न आयामों पर व्याख्यान एवं संवादात्मक सत्र आयोजित किए।

कार्यशाला के अंतिम दिन माध्यमिक शिक्षा निदेशक, कर्नाटक सरकार, श्री कृष्णाजी एस. करिचन्नवर ने पर्यवेक्षक के रूप में कार्यक्रम का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न भाषा समूहों का प्रतिनिधित्व करने वाले शिक्षकों से व्यक्तिगत संवाद स्थापित किया, प्रतिभागियों से प्रतिपुष्टि प्राप्त की तथा कार्यशाला की व्यवस्थाओं एवं तैयारियों के संबंध में डायट एवं एन.टी.एस.-आई. के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से चर्चा की।

प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला का समापन सत्र 22 मई 2026 को अपराह्न 4:00 बजे उक्त सभागार में आयोजित किया गया, जिसका प्रारम्भ नाड गीते (राज्य गीत) के सामूहिक गायन से हुआ। इस सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने कार्यशाला से प्राप्त अपने अनुभव एवं विचार साझा किए। इसके पश्चात एन.टी.एस.-आई. के डॉ. मुरली मोहन एन. ने कार्यशाला का शैक्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए तीन दिवसीय कार्यक्रम की प्रमुख गतिविधियों, शैक्षिक विमर्शों एवं उपलब्धियों का विवरण दिया। तत्पश्चात राष्ट्रीय परीक्षण सेवा-भारत के वरिष्ठ संसाधन व्यक्तित्व डॉ. बीरेश कुमार ने समापन संबोधन प्रस्तुत किया।

समापन सत्र की अध्यक्षता डायट उडुपी के प्राचार्य डॉ. अशोक कामत ने की तथा उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। इसके उपरांत एन.टी.एस.-आई. के श्रीगणेश देवरु भट्ट ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यशाला गतिविधियों के अंतर्गत प्रतिभागियों ने 1147 प्रश्न-पद एन.टी.एस.-आई. डेटाबेस में सफलतापूर्वक प्रविष्ट किए।

कार्यशाला का औपचारिक समापन सभी प्रतिभागियों द्वारा सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाकर किया गया, जिसके पश्चात समूह छायाचित्र सत्र आयोजित किया गया।

The National Testing Service–India (NTS-I), a scheme of the Central Institute of Indian Languages, Mysuru, in collaboration with District Institute of Education and Training (DIET), Udupi, organised a Three-Day Training-cum-Workshop on “Testing, Evaluation and Question Item Writing in the light of National Education Policy (NEP) 2020” in Hindi from 20th to 22nd May 2026. The programme was conducted at the Smt. Seethalakshmi and Sri Ramakrishna Hattwar Sabha Bhavan situated within the DIET campus, Udupi.

The workshop commenced with the registration of participants. A total of 39 teachers from Udupi and Dakshina Kannada region participated in the programme. The participants voluntarily enrolled themselves as trainees for the workshop.

The inaugural session of the workshop was held on 20th May 2026 at 10:00 AM and was gracefully compered by Dr. Kishore Shetty, Lecturer, DIET Udupi. Shri Yoganarasimhaswamy K.M., District Adult Education Officer, DIET Udupi, welcomed the dignitaries and participants to the programme.

The workshop was formally inaugurated by Prof. P.R. Dharmesh Fernandez, Professor-cum-Deputy Director, CIIL, Mysuru, through the ceremonial watering of a plant. Subsequently, Dr. R. Shakunthala, Senior Resource Person, NTS-I, CIIL, briefed on the academic significance of the programme.

The Chief Guest Address was delivered by Dr. O. R. Prakash, Reader, Government Teacher Education College, Mangaluru, who also served as a resource person for the workshop. Dr. Ashok Kamath, Principal and Ex-Officio Deputy Director (Development), DIET Udupi, presided over the inaugural function. The inaugural session concluded with a Vote of Thanks proposed by Dr. Ganesh Krishna Bhagavath, Lecturer, DIET Udupi.

The academic sessions of the training programme were conducted by eminent scholars and resource persons from NTS-I including Dr. O.R. Prakash, Dr. Madhavi S. Bhandari, Dr. Ashok Kamath, Dr. Biresh Kumar, Dr. R. Shakunthala, Shriganesh Devaru Bhat, Dr. Shridevi, and Dr. Murali Mohana N. In addition, Shri Kashyap N., Technical Resource Person of NTS-I, provided online guidance and technical support regarding data compilation and question item writing for the workshop activities.The experts delivered lectures and interactive sessions on various dimensions of testing, evaluation, language pedagogy, and question item writing.

During the last day course of the workshop, Sri. Krishnaji S.Karichannavara, Director of Secondary Education, Govt. of Karnatakavisited the programme as an observer. He personally interacted with teachers representing all language groups, gathered feedback from the participants, and held discussions with the DIET and NTS-I staff regarding the organisational arrangements and preparedness of the workshop.

The valedictory session of the training-cum-workshop was held on 22nd May 2026 at 4:00 PM in the aforementioned auditorium and commenced with the rendition of the NaadaGeethe (State Anthem). During the session, the participants expressed their feedback, reflections, and learning experiences gained through the workshop.Subsequently, Dr. Murali Mohana N.of NTS-I, presented the academic report of the workshop, outlining the major activities, academic deliberations, and outcomes of the three-day programme. Thereafter, the valedictory address was delivered by Dr. Biresh Kumar, Senior Resource Person, National Testing Service-India.The valedictory session was presided over by Dr. Ashok Kamath, Principal, DIET Udupi, who subsequently distributed certificates to the participants.Following this, Shriganesh Devaru Bhat of NTS-I proposed the Vote of Thanks. Participants successfully entered the 1147 question items into the NTS-I database as part of the workshop activities.

The three-day training-cum-workshop formally concluded with the collective rendition of the National Anthem by all the participants, followed by a group photograph session.

13. टिप्पणियाँ/Remarks :	समग्र रूप से, यह तीन दिवसीय प्रशिक्षणकार्यशाला अपने निर्धारित -सह-शैक्षिक उद्देश्यों की प्राप्ति तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (.पी.ई.एन)2020 के संदर्भ में परीक्षण, मूल्यांकन एवं प्रश्नपद लेखन संबंधी प्रतिभागियों की -समझ को सुदृढ़ करने में अत्यंत सफल रही। इस कार्यक्रम ने सार्थक शैक्षिक विमर्शों एवं व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से शिक्षकों की कौशल क्षमता-शिक्षण, मूल्यांकन साक्षरता तथा शिक्षार्थी-केंद्रित कक्षा-प्रक्रियाओं को उल्लेखनीय रूप से समृद्ध किया। Overall, the three-day training-cum-workshop was highly successful

	in achieving its intended academic objectives and strengthening participants' understanding of testing, evaluation, and question item writing in the context of NEP 2020. The programme significantly enhanced teachers' pedagogical competencies, assessment literacy, and learner-centric classroom practices through meaningful academic deliberations and hands-on activities.

-Sd-

संयोजककानामएवंहस्ताक्षर
Name & Signature of the Coordinator
Name : Dr. Pankaj Dwivedi